

तेरा अम्बा रानी- जगदम्बा रानी
कोई पार न पाया ॥२॥

जब- जब कष्ट बढ़ा घरती पर
हँस-हँस खूब घटाया

तेरा अम्बा रानी-----

चण्ड-मुण्ड और रक्त बीज को
पल में मार गिराया

तेरा अम्बा रानी-----

बन ब्रम्हा, विष्णु- शिवरूपा
जग को खूब नचाया.

तेरा अम्बा रानी-----

आज द्वारे तेरा बेटा

अशु सुमन भर लाया

तेरा अम्बा रानी-----

आजा दास "श्रीबाबाश्री" पुकारें

दोड़ के झूठी माया

तेरा अम्बा रानी-----